

ग्रमाबारण

EXTRAORDINARY

भाग II -- लंड 3-- उपलग्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

40 274

नई विल्ली, शामिबार, ग्रास्त 9, 1969/श्रावरा 18, 1891

No. 274]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1969/SRAVANA 18, 1891

इस भाग में भिन्न पष्ठ सक्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August 1969

S.O. 3211.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Vanaspati Manufacturers' Association of India, Bombay, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of one year from the 10th August, 1969 upto the 9th August, 1970, both days inclusive, in respect of forward contracts in groundnut oil.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F. 12(8)-I.T./69.]

G. P. PANDEY, Jt. Secy.

श्रीहोिक विकास, श्रान्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय

(द्रास्तरिक व्यापार विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्तो, 8 ग्रास्त 1969

का० ग्रां० 3212.- → केन्द्रीय ,सरकार, भारत के वनस्ति विनिर्माता संगम मुम्बई द्वारा मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए अग्रिम मंबिदा (बिनियमन) ग्रिबिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के ग्रिबीन दिए गरें। आवंदन पर, वायदा बाजार आग्रोग से परामर्श कर के, विचार कर लेने पर, ग्रीर अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐना करना व्यागर के हित में भीर लोक हित में भी। होगा, उक्त अधिनियम को धारा 6 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त संगम को मूगफली के तेल की श्रिम संविदायों की बाबत, 10 श्रगस्त, 1969 से लेकर 9 श्रगस्त, 1970 तक, जिसमे थे दोनों दिन सम्मिलित हैं, एक वर्ष की श्रितिरक्त कालाविध के लिए मान्यता प्रदान करती है ।

एतर्शारा प्रदत्त मान्यता इस घार्त के अध्यधीन है कि उक्त संगम वायदा बाजार आयोग
..द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निदेशों का श्रतपालन करेगा।

[संख्या-12(8) स्राई० टी०/69]

गिरिजा प्र**साद** पान्डे, संशुक्त सचिव ।